

नगालैंड राज्य दविस

हाल ही में नगालैंड ने 1 दसिंबर, 2022 को अपना 60वाँ स्थापना दविस मनाया है।

- नगालैंड राज्य दविस भी नगालैंड में [हॉरनबलि उत्सव](#) की शुरुआत का प्रतीक है।



नगालैंड:

- ऐतहासिक पृष्ठभूमि:
 - वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 'नगा' क्षेत्र प्रारंभ में असम का हसिसा बना रहा। हालाँकि भिज़बूत राष्ट्रवादी आंदोलन ने नगा जनजातियों के राजनीतिक संघ की मांग को बढ़ावा दिया और कुछ चरमपंथियों ने भारतीय संघ से पूरी तरह से अलग होने की मांग की।
 - वर्ष 1957 में असम के 'नगा हलिस क्षेत्र' और उत्तर-पूरव में 'तुएनसांग फ्रंटियर' डविज़न को भारत सरकार द्वारा सीधे प्रशासति एक इकाई के तहत एक साथ लाया गया था।
 - वर्ष 1960 में यह तय कयिा गया कनिगालैंड को भारतीय संघ का एक घटक राज्य बनना चाहयि। नगालैंड ने वर्ष 1963 में राज्य का दर्जा हासलि कयिा और वर्ष 1964 में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार ने इसकी सत्ता संभाली।
- भौगोलिक अवस्थिति:
 - यह पूरवोत्तर में अरुणाचल प्रदेश, दक्षणि में मणपुरि एवं पश्चमि तथा उत्तर-पश्चमि में असम और पूरव में म्यांमार (बर्मा) से घरिा है। राज्य की राजधानी 'कोहमि' है, जो नगालैंड के दक्षणि भाग में स्थति है।
 - नगालैंड की जलवायु 'मानसूनी' (आरदर और शुषक) है। यहाँ वार्षिक वर्षा का औसत 70 से 100 इंच के बीच है और यह दक्षणि-पश्चमि मानसून (मई से सतिंबर) के महीनों में होति है।
- जैव वविधिता:

- **वनस्पति:** नगालैंड के लगभग एक-छठे हिस्से में वन हैं। 4,000 फीट से नीचे उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय सदाबहार वन मौजूद हैं, जिनमें ताड़, रतन और बाँस के साथ-साथ मूल्यवान लकड़ियों की प्रजातियाँ शामिल हैं। शंकुधारी वन अधिक ऊँचाई पर पाए जाते हैं। **'झूम खेती'** (स्थानांतरण खेती) हेतु साफ कृषि क्षेत्रों में घास, नरकट और झाड़ीदार जंगल भी पाए जाते हैं।
- **जीव:** हाथी, बाघ, तेंदुए, भालू, कई प्रकार के बंदर, सांभर, हरिण, भैंस, जंगली बैल और गैंडा नचिली पहाड़ियों में पाए जाते हैं। राज्य में साही, **पैंगोलिन**, जंगली कूत्ते, लोमड़ी, सविट बलिलियाँ और नेवले भी पाए जाते हैं।
 - मथुन (ग्याल) नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश का राज्य पशु है।
 - **'ब्लीथ ट्रैगोपन'** नगालैंड का राज्य पक्षी है।

■ जनजाति:

- **'कोन्याक'** यहाँ सबसे बड़ी जनजाति है, इसके बाद आओस, तांगखुल, सेमास और अंगमी आते हैं।
- अन्य जनजातियों में लोथा, संगतम, फॉम, चांग, खमि हंगामा, यमिचुंगर, जेलआंग, चाखेसांग (चोकरी) और रेंगमा शामिल हैं।

■ अर्थव्यवस्था:

- **कृषि क्षेत्र, राज्य की आबादी के लगभग नौवें-दसवें हिस्से को रोजगार प्रदान करता है।** चावल, मक्का, छोटी बाजरा, दालें (फलियाँ), तलिनहन, फाइबर, गन्ना, आलू और तंबाकू प्रमुख फसलें हैं।
- हालाँकि नगालैंड को अभी भी पड़ोसी राज्यों से भोजन के आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

■ नगालैंड में संरक्षित क्षेत्र:

- इन्तानकी राष्ट्रीय उद्यान
- सागिफन वन्य जीव अभयारण्य
- पुली बडजे वन्यजीव अभयारण्य
- फकीम वन्यजीव अभयारण्य

■ प्रमुख महोत्सव:

- 'हॉर्नबलि महोत्सव' प्रतविरष 1 से 10 दिसंबर तक नगालैंड में आयोजित होने वाला उत्सव है।
- इस त्योहार का नाम हॉर्नबलि पक्षी के नाम पर रखा गया है जो नगाओं के लिये सबसे पूजनीय और प्रिय पक्षी है।
- इस त्योहार का महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि यह एक प्राचीन त्योहार नहीं है और इसे वर्ष 2000 में नगालैंड को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाने हेतु शुरू किया गया था।

हॉर्नबलि

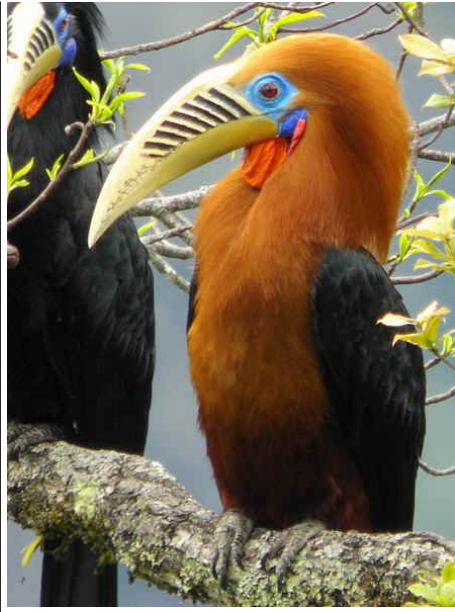
- **परिचय:** हॉर्नबलि (बुसेरोटडि परिवार) उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय अफ्रीका तथा एशिया में पाए जाने वाले पक्षियों का एक परिवार है।
- **भारत में:** भारत में हॉर्नबलि की नौ प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
 - **पूर्वोत्तर क्षेत्र** में भारत के भीतर हॉर्नबलि प्रजातियों की विविधता सबसे अधिक है।
 - वे पूर्वोत्तर में कुछ जातीय समुदायों के विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के 'न्याशी' समुदाय का सांस्कृतिक प्रतीक हैं।
 - नगालैंड में मनाए जाने वाले **'हॉर्नबलि उत्सव'** का नाम 'हॉर्नबलि' पक्षी के नाम पर रखा गया है। यह नगाओं के लिये सबसे सम्मानित और प्रशंसित पक्षी है।
- **खतरे**
 - हॉर्नबलि का शिकार उनके 'कास्क' (ऊपरी चोंच) और उनके पंखों के लिये किया जाता है। उनके माँस और उनके शरीर के अंगों के औषधीय महत्त्व के चलते भी उनका अवैध शिकार किया जाता है।
 - असली **'हॉर्नबलि कास्क'** के बजाय हेडगियर के लिये फाइबर-ग्लास चोंच के उपयोग को बढ़ावा देने वाले एक संरक्षण कार्यक्रम ने इस खतरे को कम करने में मदद की है।
 - ऐसे वृक्षों, जहाँ हॉर्नबलि पक्षी घोंसला बनाते हैं, की अवैध कटाई से उनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो जाते हैं।

भारत में हॉर्नबलि की 9 प्रजातियाँ

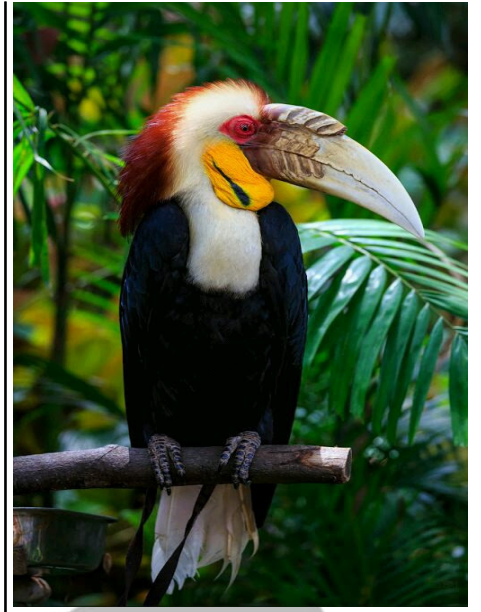
द ग्रेट हॉर्नबलि	रफस-नेकड हॉर्नबलि	रेथड हॉर्नबलि



- **आवास:** पश्चिमी घाट और हिमालय। यह भारत में पाई जाने वाली हॉर्नबलि की सभी प्रजातियों में सबसे बड़ा है तथा अरुणाचल प्रदेश व केरल का राजकीय पक्षी भी है।
- **IUCN रेडलसिट:** सुभेद्य (Vulnerable)
- **CITES:** परशिष्टि।
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (WPA), 1972:** अनुसूची।



- **आवास:** यह भारत की सबसे उत्तरी सीमा तक पाया जाता है। संपूर्ण उत्तर-पूर्वी भारत से लेकर पश्चिमी बंगाल में महानंदा वन्यजीव अभयारण्य तक ये पाए जाते हैं।
- **IUCN रेड लसिट:** सुभेद्य (Vulnerable)
- **CITES:** परशिष्टि।



- **आवास:** उत्तर-पूर्वी भारत.
- **IUCN रेड लसिट:** सुभेद्य (Vulnerable)
- **CITES:** परशिष्टि II

नारकोंडम हॉर्नबलि



- **आवास:** अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के नारकोंडम द्वीप के स्थानिक
- **IUCN रेड लसिट:** सुभेद्य (Vulnerable)
- **CITES:** परशिष्टि II
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972:** अनुसूची।

मालाबार पाइड हॉर्नबलि



- **आवास:** भारत और श्रीलंका में सदाबहार और नम पर्णपाती वन।
- **IUCN रेड लसिट:** संकट-निकट (Near Threatened)
- **CITES:** परशिष्टि II

ओरफिटल पाइड हॉर्नबलि



- **आवास:** उपोष्णकटबिंधीय या उष्णकटबिंधीय नम तराई वन।
- **IUCN रेड लसिट:** कम चिन्तनीय (Least Concern)
- **CITES:** परशिष्टि II

ऑस्ट्रेस ब्राउन हॉर्नबलि

मालाबार ग्रे हॉर्नबलि

इंडयिन ग्रे हॉर्नबलि



- **आवास:** उत्तर पूर्व भारत के वन, मुख्य रूप से नामदफा राष्ट्रीय उद्यान, अरुणाचल प्रदेश में।
- **IUCN रेड लसिट:** संकट-निकट (Near Threatened)
- **CITES:** N/A



- **आवास:** पश्चिमी घाट
- **IUCN रेडलसिट:** कम चिंतीय
- **CITES:** N/A



- **आवास:** दक्षिणी हिमालय की तलहटी
- **IUCN रेड लसिट:** कम चिंतीय (Least Concern)
- **CITES:** N/A

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारत के नमिनलखिति क्षेत्रों में से 'ग्रेट इंडयिन हॉर्नबलि' के अपने प्राकृतिक आवास में पाए जाने की सबसे अधिक संभावना कहाँ है?

- उत्तर-पश्चिमी भारत के रेतीले मरूस्थल
- जम्मू-कश्मीर के उच्चतर हिमालय क्षेत्र
- पश्चिमी गुजरात के लवण कच्छ क्षेत्र
- पश्चिमी घाट

उत्तर: D

व्याख्या:

- ग्रेट इंडयिन हॉर्नबलि बड़े और व्यापक पक्षी हैं और अधिकांश प्रजातियाँ उष्णकटबिंधीय वन आवासों पर निर्भर हैं जिनमें बड़े और लंबे पेड़ होते हैं।
- भारत में नौ हॉर्नबलि प्रजातियाँ हैं, जिनमें से चार पश्चिमी घाट में पाई जाती हैं - इंडयिन ग्रे हॉर्नबलि (भारत के लिये स्थानिक), मालाबार ग्रे हॉर्नबलि (पश्चिमी घाट के लिये स्थानिक), मालाबार पीड हॉर्नबलि (भारत और श्रीलंका के लिये स्थानिक) और लुप्तप्राय ग्रेट इंडयिन हॉर्नबलि। भारत में एक प्रजाति भी है जिसमें किसी भी हॉर्नबलि की सबसे छोटी श्रेणियों में से एक है - नारकोंडम हॉर्नबलि, जो केवल अंडमान सागर में नारकोंडम द्वीप पर पाया जाता है। अतः विकल्प D सही उत्तर है।

स्रोत: पी.आई.बी